इस प्रश्न-पत्र में 37 प्रश्न तथा 11 मुद्रित पृष्ठ हैं ।

Code No. / कोड नं. **71/S/201/A1**

Roll No. / अनुक्रमांक | | | | | | | | | | | |

हिन्दी

(201)

Serial No.

Day and Date of Examination
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ____________________

Signature of Invigilators 1. ____________________
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

2. ____________________

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

सामान्य अनुदेश :

1. परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें ।
2. कृपया प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है । इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं ।
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) तथा (D) में से कोई एक उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर-पुस्तिका में सही उत्तर लिखना हैं ।
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के साथ-साथ सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित अवधि के भीतर ही देने हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए अलग से समय नहीं दिया जाएगा ।
5. उत्तर-पुस्तिका में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जाएगा ।
6. अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र की कोड संख्या **71/S/201/A1** लिखें ।

UNNATI EDUCATION
9899436384: 9654-279-279

हिन्दी
(201)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश:
(i) इस प्रश्न–पत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 37 है।
(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(iii) प्रत्येक प्रश्न के अंक उनके सामने दिए गए हैं ।
(iv) इस प्रश्न–पत्र में दो खंड है – खंड 'अ' और खंड 'ब' ।
(v) खंड 'अ' में वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय और खंड 'ब' में विषयनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।
(vi) खंड 'अ' में कुल 27 प्रश्न हैं। इसमें प्रश्न संख्या 1 से 5 पठित कविता पर, प्रश्न संख्या 6 अपठित कविता पर, प्रश्न संख्या 7 से 19 पठित गद्य पर, प्रश्न संख्या 20 अपठित गद्यांश पर और प्रश्न संख्या 21 से 27 व्याकरण पर आधारित प्रश्न हैं।
(vii) खंड 'ब' में कुल 10 प्रश्न हैं। इसमें प्रश्न संख्या 28 से 30 पठित कविता पर, प्रश्न संख्या 31 से 34 पठित गद्य पर तथा प्रश्न संख्या 35 से 37 लेखन कौशल पर आधारित प्रश्न हैं। प्रश्नों के साथ उनके आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

सामान्य अनुदेश :
(1) सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।
(2) इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण दोपहर में 02.15 बजे किया जाएगा। 02.15 बजे से 02.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

UNNATI EDUCATION
9899436384: 9654-279-279

खंड – 'अ'

(वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय)

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

1. 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में प्रकृति का मानवीकरण किया गया है ताकि .... [1]

   (क) कविता के सौन्दर्य–वर्णन में वृद्धि हो सके
   (ख) प्रकृति तथा पृथ्वी के दुख का अहसास हो सके
   (ग) लोग पृथ्वी के दुख को आपस में बाँटें
   (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. पावस देखि रहीम मन, कोइल साधे मौन ।
   अब दादुर बक्ता भए, हमको पूछत कौन ।।
   रहीम के दोहे में दादुर .... लोगों का प्रतीक है। [1]

   (क) ज्ञानी परन्तु कम बोलने वाले
   (ख) ज्ञानी परन्तु बढ़–चढ़कर बोलने वाले
   (ग) अज्ञानियों को महत्त्व देनेवाले
   (घ) अज्ञानी और बढ़–चढ़कर बोलने वाले

3. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

   (क) आज़ादी की फ़सल को .... ही काट सकता है। [1]
   (ख) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में कवि को लगता है जैसे .... का स्वयंवर हो रहा हो। [1]
   (ग) एक कवि के लिए आज़ादी का तात्पर्य .... है। [1]

4. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

   (क) आह्वान कविता के अनुसार जीवन में सफलता पाने के लिए .... की भावना त्यागकर .... का पाठ पढ़ना पड़ता है। [1×2=2]
   (ख) कबीर के अनुसार गुरु .... और शिष्य .... के समान होता है। [1×2=2]

5. निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

   (क) कवि वृंद ने मनुष्य की आँखों द्वारा उसके हृदय में विद्यमान हित या अहित के भाव को .... के उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया है, इसलिए यहाँ .... अलंकार है। [1×2=2]
   (ख) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता में कवयित्री ने .... और .... स्वार्थ को मानव विरोधी भाव बताए हैं। [1×2=2]

UNNATI EDUCATION
9899436384: 9654-279-279

6. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए – [4×1=4]

ऐसा दे दो दर्द मुझे तुम
मेरा गीत दीया बन जाए ।
मुरझा पाए न फसल कोई
ऐसी खाद बने इस तन की
किसी घर न दीपक बुझ पाए
ऐसी जलन जले इस मन की
भूखी सोए रात न कोई
प्यासी जागे सुबह न कोई
स्वर बरसे सावन आ जाए
रक्त गिरे, गेहूँ उग आए।
ऐसा दे दो दर्द मुझे तुम
मेरा गीत दीया बन जाए।
बहे पसीना जहाँ, वहाँ
हरयाने लगे नई हरियाली
गीत जहाँ गा आए, वहाँ
छा जाए सूरज की उजियाली
हँस दे प्यार जहाँ
मुसका दे मेरी मानव–ममता
चंदन हर मिट्टी हो जाए
नंदन हर बगिया बन जाए ।
ऐसा दर्द दे दो मुझे तुम
मेरा गीत दीया बन जाए ।

(क) 'मेरा गीत दीया बन जाए' कहकर कवि कहना चाहता है कि
(i) उसके गीत दीपक समान सुंदर हों ।
(ii) उसके गीत लोगों के दुख रुपी अंधेरे को दूर करें और खुशी दें ।
(iii) गीतों को दीया बनाकर वह उसमें करुणा और संवेदना का तेल डाल सके ।
(iv) दर्द में डूबे उसके गीत पाठकों का मन बहला सकें ।

(ख) कवि अपने तन का प्रयोग इस प्रकार करना चाहता है –
(i) देश की सीमाओं की रक्षा के लिए।
(ii) देश में नव क्राँति लाने के लिए।
(iii) सभी के जीवन में खुशियाँ लाने के लिए।
(iv) देश की मिट्टी में मिलकर खाद की तरह उसकी उपजाऊ शक्ति बढ़ाने के लिए

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATION
9899436384: 9654-279-279

(ग) कवि हर बगिया को क्या बनाना चाहता है?

(i) लहलहाते खेत (ii) नन्दन

(iii) चन्दन (iv) सावन

(घ) 'भूखी सोय रात न कोई, प्यासी जागे सुबह न कोई में .... अलंकार है।

(i) मानवीकरण (ii) उपमा

(iii) अनुप्रास (iv) रुपक

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए रिक्त स्थान भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

7. समाचार लिखने वाले अथवा प्रस्तुत करनेवाले संवाददाता के नाम को .... कहते हैं। [1]

(क) बाइ लाइन (ख) इन्ट्रो

(ग) कैप्शन (घ) संपादकीय

8. बहादुर की संवेदनशीलता का पता इस बात से लगता है कि .... । [1]

(क) वह सिल टूटने पर घर से भाग जाता है। (ख) सभी के लिए दौड़–भाग कर काम करता है।

(ग) मारपीट का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। (घ) झूठे आरोप लगने पर वह घर से भाग जाता है।

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

9. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' पाठ के अनुसार आर्यों के पास ऐसी कौन–सी दो चीज़े थीं, जिनके कारण वे विजयी हुए? [1]

(क) लोहे व हड्डियों के हथियार (ख) लोहे के अस्त्र व घोड़े

(ग) वज्रास्त्र व घोड़े (घ) पलीते वाली बंदूके व बम

10. शतरंज के खिलाड़ी पाठ के अनुसार खून की एक भी बूँद गिरे बिना नवाब वाज़िदअली शाह की गिरफ़्तारी किसका द्योतक है? [1]

(क) अहिंसा का (ख) वीरता का

(ग) शांति का (घ) कायरता का

11. दूरदर्शन अधिकारी को लिखा जाने वाला पत्र किस प्रकार का होगा? [1]

(क) व्यावसायिक पत्र (ख) अनौपचारिक पत्र

(ग) आवेदन / प्रार्थना पत्र (घ) कार्यालयी पत्र

UNNATI EDUCATION
9899436384: 9654-279-279

निम्नलिखित प्रश्नों के रिक्त स्थान एक शब्द या वाक्यांश से भरिए और अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए :

12. विस्तार से कही गई बात को कम शब्दो में व्यक्त करने को .... कहते हैं। [1]

13. 'अंधेर नगरी' नाटक में महंत ने .... को देखते हुए तुरंत नगर छोड़ने का निर्णय लिया। [1]

14. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – [2×1=2]

(क) सुखी राजकुमार कहानी में ईश्वर के द्वारा देवदूत को नगर की दो सबसे मूल्यवान वस्तुएँ लाने का आदेश देने पर देवदूत .... और .... ले आया।

(ख) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' पाठ के लेखक हैं। ....

15. निम्नलिखित संवाद किस पात्र के हैं? पहचान कीजिए और रिक्त स्थान भरिए – [2×1=2]

(क) "वाह रे, इसके पेट में तो लंबी दाढ़ी है।" ....

(ख) "जनाब, हीले न कीजिए। ये चकमे किसी और को दीजिएगा।" ....

16. नीचे दिए गए कथनों को उत्तर–पुस्तिका में लिखिए और बताइए कि वे सही है या गलत।

(क) निबंध के चार प्रमुख अंग होते हैं। [1]

(ख) बहादुर द्वारा अपना सारा सामान कथावाचक के घर में छोड़कर चले जाना उसके स्वाभिमान को दर्शाता है। [1]

UNNATI EDUCATIONS

17. 'अंधेर नगरी' नाटक के पात्र राजा की दो चारित्रिक विशेषताएँ .... और .... हैं। [1×2=2]

(क) कर्त्तव्यनिष्ठ और स्वकेन्द्रित (ख) विवेकहीनता और आत्मकेन्द्रिकता

(ग) धार्मिक और कर्मठ (घ) विवेकहीनता और संवेदनशीलता

BY KADAM UNNATI KI OR

18. नीचे दिए गए पाठों और पात्रों के सही युग्म चुनिए और उन्हें अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए – [2×1=2]

पाठ का नाम	पात्र का नाम
सुखी राजकुमार	बेगम
शतरंज के खिलाड़ी	गोबरधनदास मेयर

19. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – [2×1=2]

(क) फ़ोटो के नीचे दी गई सूचना को अखबार की भाषा में .... कहते हैं।

(ख) अनौपचारिक पत्र–लेखन में संबोधन के तुरंत बाद उस व्यक्ति को संबोधन के ही अनुरुप .... लिखना होता है।

UNNATI EDUCATION
9899436384: 9654-279-279

20. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए – **[4×1=4]**

जब लोग त्रस्त हों, पराजित हों या शोकग्रस्त हों तभी उन्हे हमारी सहानुभूति, सहायता या प्रोत्साहन की ज़रूरत होती है। उस समय उनका आत्मविश्वास लड़खड़ा जाता है। उस समय उनकी खिल्ली उड़ाने का या उनकी परेशानी का मज़ा लूटने का मोह हमें रोकना चाहिए तथा उन्हें सहारा देना चाहिए । उनकी हिम्मत बढ़ानी चाहिए । जो ऐसा करते हैं, वे उनके हृदय में हमेशा के लिए स्थान प्राप्त कर लेते हैं, अपनी लोकप्रियता की परिधि विस्तृत करते हैं। दूसरों के सुख–दुख में सच्चे अन्तःकरण से दिलचस्पी लेना अच्छे संस्कार का लक्षण तो है ही, साथ ही व्यवहार–कुशलता भी है, जो लोगों को हमारी ओर आकर्षित करती है। हाँ, इसमें दिखावा, बनावटीपन और ऊपरी–ऊपरी शिष्टाचार नहीं होना चाहिए । जो भावना सच्ची होती है, हृदय से निकलती है, वही हृदय को बाँध भी सकती है। मानव की दो मूल प्रवृत्तियाँ होती हैं। एक तो यह कि लोग हमारे गुणों की कद्र करें, हमें दाद दें और हमारा आदर करें और दूसरे वे हम से प्रेम करें, हमारा अभाव महसूस करें, उनके जीवन में हम कुछ महत्त्व रखते हैं – ऐसा अनुभव करें ।

(क) लोगों को हमारी सहानुभूति की सबसे अधिक आवश्यकता कब होती है?

(i) जब जीवन की परिस्थितियाँ उनके अनुकूल हों ।

(ii) जिस समय वे लोकप्रिय हो जाएँ ।

(iii) जिस समय उनका आत्मविश्वास लड़खड़ा जाए ।

(iv) जब वे त्रस्त, शोकग्रस्त और पराजित न हों ।

(ख) किस प्रकार के लोग दूसरों के दिलों में जगह बना लेते हैं?

(i) जो दूसरों की खिल्ली उड़ाते हैं

(ii) जो दूसरों की परेशानी का मज़ा लूटते हो

(iii) जो लोगों को लुभाने के लिए तरह–तरह के झूठे वादे करते हों

(iv) जो दूसरों की भावनाओं को समझकर उनकी हिम्मत बढ़ाते हों

(ग) व्यवहार–कुशलता का लक्षण है –

(i) दूसरों की भावनाएँ जान–समझकर भी चुप रहना ।

(ii) दूसरों के सुख–दुख में साथ देना ।

(iii) लोकप्रियता के लिए अवसरानुकूल आचरण करना ।

(iv) दिखावा, बनावटीपन और ऊपरी शिष्टाचार ।

(घ) प्रत्येक मनुष्य चाहता है –

(i) शिष्टाचार का पालन करना और दिखावा ।

(ii) अपने गुणों की कद्र व दूसरों का प्रेम पाना ।

(iii) बनावटीपन दिखाकर दूसरों का प्रेम हासिल करना ।

(iv) दूसरों को पराजित व शोकग्रस्त देखना ।

UNNATI EDUCATION
9899436384: 9654-279-279

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

21. 'फ़िरकी की तरह नाचना' मुहावरे का अर्थ है – [1]

(i) एक खिलौना
(ii) काम करने के लिए इधर से उधर दौड़ते फिरना
(iii) बहुत तेज़ दौड़ना
(iv) नृत्य–कला में कुशल होना

22. 'आनंद–महल' में .... समास है। [1]

(i) अव्ययीभाव
(ii) द्वन्द्व
(iii) तत्पुरुष
(iv) बहुव्रीहि

23. निम्नलिखित वाक्यों में शुद्ध वाक्य है – [1]

(i) दिल्ली में देखने योग्य कई दर्शनीय स्थान हैं।
(ii) दिल्ली में अनेक दर्शनीय स्थान हैं।
(iii) दिल्ली में अनेक दर्शनीय स्थान देखने योग्य हैं।
(iv) दिल्ली में हैं अनेकों दर्शनीय स्थान।

24. 'जब दरवाज़ा बंद हुआ, तो समझ गए, बेगम साहिबा बिगड़ गईं'। यह एक .... वाक्य है। [1]

(i) संयुक्त
(ii) विधानवाचक
(iii) मिश्र
(iv) सरल

UNNATI EDUCATIONS

25. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए – [2×1=2]

(i) 'वार्तालाप' का संधि–विच्छेद है। ....
(ii) 'अत्यधिक' का संधि विच्छेद .... है।

26. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए – [2×1=2]

(i) 'राष्ट्रीय' शब्द में .... प्रत्यय है।
(ii) 'अपमान' शब्द में .... उपसर्ग है।

27. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए – [2×1=2]

(i) मयूर, जिह्वा, सूरज और दधि में से .... तद्भव शब्द है।
(ii) कंगन, गाँव, दाँत और दुग्ध में से .... तत्सम शब्द है।

UNNATI EDUCATION
9899436384: 9654-279-279

खंड – 'ब'

(विषयनिष्ठ / वर्णनात्मक)

28. निम्नलिखित काव्यांश के कवि और कविता का नामोल्लेख करते हुए काव्य–सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए – **[4]**

खैर, खून, खाँसी, खुसी, वैर, प्रीति, मदपान ।
रहिमन दाबे न दबैं, जानत सकल जहान ।।

अथवा

फाग गाता मास फागुन
आ गया है आज जैसे ।
देखता हूँ मैं : स्वयंवर हो रहा है
प्रकृति का अनुराग अंचल हिल रहा है
इस विजन में
दूर व्यापारिक नगर से
प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है।

29. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **[3]**

सुना है कभी
रात के सन्नाटे में अँधेरे से मुँह ढाँप
किस कदर रोती हैं नदियाँ?
इस घाट अपने कपड़े और मवेशी धोते
सोचा है कभी कि उस घाट
पी रहा होगा कोई प्यासा पानी
या कोई स्त्री चढ़ा रही होगी
किसी देवता को अर्घ्य?

अथवा

गुरु कुम्हार सिष कुंभ है, गढ़ि–गढ़ि काढ़ै खोट ।
अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट ।।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATION
9899436384: 9654-279-279

30. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए – [3×2=6]

(क) 'आह्वान' कविता के कवि के अनुसार राष्ट्र के विकास के लिए महत्त्वपूर्ण किन्ही दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) ''आज़ादी'' कविता के अंत में शागिर्द को क्या समझ में आ गया और उसने क्या किया?

(ग) कबीर सुरा भरे स्वर्ण–कलश का उदाहरण देकर क्या स्पष्ट करना चाहते हैं?

(घ) 'बूढ़ी पृथ्वी का दुख' कविता के आधार पर प्रकृति के प्रति मनुष्य के कर्त्तव्य स्पष्ट कीजिए।

31. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए – [3×2=6]

(क) 'सुखी राजकुमार' कहानी में बच्चों के प्रति गौरेया के दृष्टिकोण में क्या परिवर्तन आता है व क्यों?

(ख) 'अंधेर नगरी' नाटक में नाटककार महंत के चरित्र द्वारा क्या संदेश देना चाहता है?

(ग) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी आज भी प्रासंगिक कैसे है?

(घ) लेखक के अनुसार नाखूनों का बढ़ना और उन्हे काटना किसकी निशानी है?

32. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 20 से 25 शब्दों में लिखिए – [2×2=4]

(क) 'बहादुर' कहानी में कथावाचक का पछतावा महत्त्वपूर्ण क्यों है?

(ख) सुखी राजकुमार कहानी के अंत में ईश्वर ने राजकुमार के दिल और गौरेया को कहाँ स्थान दिया?

(ग) पारिवारिक पत्रों का प्रमुख विशेषता स्पष्ट कीजिए।

33. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – [5]

दोनों दोस्तों ने कमर से तलवारें निकाल लीं। नवाबी ज़माना था; सभी तलवार, पेशकब्ज़, कटार वगैरह बाँधते थे। दोनों विलासी थे, पर कायर न थे। उनमें राजनीतिक भावों का अधः पतन हो गया था – बादशाह के लिए, बादशाहत के लिए क्यों मरें; पर व्यक्तिगत वीरता का अभाव न था। दोनों ज़ख्म खाकर गिरे और दोनों ने वहीं तड़प– तड़प कर जाने दे दीं।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) गद्यांश में 'दोनों' कहकर किन्हें संबोधित किया जा रहा है? उन्होंने तलवारें क्यों निकाल लीं?

(ग) सिद्ध कीजिए कि दोनों में राजनीतिक भावों का अधः पतन हो गया था।

अथवा

अरे, वह सब झूठ है। मैं तो पहले ही जानती थी कि वे लोग बच्चों को कुछ देना नहीं चाहते, इसलिए अपनी गलती और लाज छिपाने के लिए यह प्रपंच रच रहे हैं। उन लोगों को क्या मैं जानती नहीं? कभी उनके पैसे रास्ते में गुम हो जाते हैं, कभी वे गलती से घर पर ही छोड़ आते हैं। मेरे कलेजे में तो जैसे कुछ हौंड़ रहा है। किशोर को भी बड़ा अफ़सोस है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ व लेखक का नाम लिखिए।

(ख) गद्यांश में लेखक की पत्नी किनकी बात कर रही है व क्यों?

(ग) किशोर को किस बात का अफ़सोस है?

UNNATI EDUCATION
9899436384: 9654-279-279

34. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **[5]**

नख–धर मनुष्य एटम–बम पर भरोसा करके आगे की ओर चल पड़ा है। पर उसके नाखून अब भी बढ़ रहे हैं। अब भी प्रकृति मनुष्य को उसके भीतर वाले अस्त्र से वंचित नहीं कर रही है। आज भी वह याद दिला देती है कि तुम्हारे नाखून को भुलाया नहीं जा सकता । तुम वही लाखों वर्ष पहले के नखदंता – वलंबी जीव हो – पशु के साथ एक ही सतह पर विचरनेवाले, चरने वाले ।

अथवा

ऐसी नगरी में रहना उचित नहीं है, जहाँ टके सेर भाजी और टके ही सेर खाजा हो । ऐसी अंधेर नगरी में हज़ार मन मिठाई मुफ़्त की मिले, तो किस काम की? यहाँ एक छन नहीं रहना है।

35. निम्नलिखित गद्यांश का सार एक–तिहाई शब्दों में लिखिए – **[5]**

आशा का प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में होना आवश्यक है। मानव को निराशा के अंधकार को चीरकर निरंतर कर्मशील बनकर आशा के प्रकाश की ओर बढ़ते रहना चाहिए । अपने ध्येय की ओर पहुँचने का निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए । आशा के बल पर मानव जीवन एक रमणीय उपवन बन जाता है। आशावादी व्यक्ति के जीवन में आनेवाली प्रतिकूल परिस्थितियाँ भी वरदान बन जाती हैं। वह धैर्य का संबल पाकर पर्वत के समान भारी दुखों को सहज रूप से उठा लेता है। जीवन में सफलता–असफलता, हानि–लाभ, जय–पराजय, आशा–निराशा तो धूप छाँह की तरह आती – जाती हैं। मानव का गुण है – उत्साह एवं आत्मविश्वास । मनुष्य का हताश और निराश होकर बैठ जाना उसकी क्षमताओं, योग्यताओं तथा आत्मविश्वास का अपमान है। सच्चा मनुष्य वही है, जो संकट काल में धैर्य न छोड़े । दुख में घबराना कायरता का प्रतीक है। उसका सामना करना मनुष्य का कर्त्तव्य है।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

36. छात्रावास में रहने वाले अपने अस्वस्थ मित्र को ढांढ़स बँधाकर उसका मनोबल बढ़ाते हुए पत्र लिखिए । **[5]**

अथवा

आपको अपने क्षेत्र के कुछ लोगों की गतिविधियों पर संदेह है। इसकी सूचना देते हुए व त्वरित छान–बीन करने का अनुरोध करते हुए क्षेत्रीय थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए ।

37. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए – **[7]**

(क) विश्व में सुधरती भारत की छवि

(ख) जो तोकू काँटा बुवै, ताहि बोय तू फूल

(ग) मुड़ो प्रकृति की ओर, बढ़ो मनुष्यता की ओर

(घ) मेरा प्रिय कवि

UNNATI EDUCATION
9899436384: 9654-279-279